IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 4, Issue 2, December 2024

Impact Factor: 7.57

o) kJe और बदलती पारिवारिक संरचना

डॉ. निशा सिंह

अतिथि विद्वान - समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश

भारत में पारिवारिक संरचना में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। पारंपरिक संयुक्त परिवार प्रणाली की जगह परमाणु परिवार बढ़ रहे हैं, जिसके कारण वृद्धजनों की देखभाल और सम्मान में कमी आई है। इससे वृद्धाश्रमों की संख्या और मांग दोनों बढ़ रही है। यह शोध द्वितीयक आंकड़ों (जनगणना 2011, NSSO, MOSPI **रिपोर्ट और** HelpAge India 2024 **सर्वे) पर आधारित है। अध्ययन में पाया गया कि** 65% **वृद्धजन आर्थिक रूप से निर्भर हैं,** 5% **अकेले रहते हैं और पारिवारिक बंधनों की कमी के कारण** 22% **वृद्धाश्रमों में शरण लेते हैं। शहरीकरण, पलायन और महिलाओं की कार्यबल भागीदारी मुख्य कारण हैं। निष्कर्ष में परिवार को मजबूत करने, सरकारी योजनाओं को प्रभावी बनाने और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया है।**

यह शोध मुख्य रूप से द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें शामिल हैं: जनसंख्या प्रोजेक्शन रिपोर्ट (2020), MOSPI **रिपोर्ट्स**, HelpAge India **की** 2024-2025 **रिपोर्ट्स** (“Ageing in India: Exploring Preparedness & Response to Care Challenges” **तथा** “The India Intergenerational Bonds” 2025), NFHS-5, UNFPA India Ageing Report (2023) **और अन्य हालिया अध्ययन।**

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 4, Issue 2, December 2024 Impact Factor: 7.57

अध्ययन से पता चलता है कि बदलती पारिवारिक संरचना वृद्धजनों में अकेलेपन, क्रॉनिक बीमारियों और भावनात्मक अलगाव को बढ़ा रही है, विशेषकर महिलाओं (विधवाओं) में। वृद्धाश्रम अब केवल अंतिम विकल्प नहीं, बल्कि मध्यम वर्ग के लिए एक व्यवहार्य विकल्प बन रहे हैं। हालांकि, परिवारिक मूल्यों को मजबूत करना, इंटरजेनरेशनल बॉन्ड्स को बढ़ावा देना, सरकारी योजनाओं (जैसे IPOP, वृद्धावस्था पेंशन, माता-पिता भरण-पोषण अधिनियम 2007) को अधिक प्रभावी बनाना और सामाजिक जागरूकता फैलाना आवश्यक है। निष्कर्ष में सुझाव दिए गए हैं कि परिवार को मजबूत करने, डे-केयर सेंटर स्थापित करने, युवा पीढ़ी में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने और वृद्धाश्रमों को केवल सहायक (supportive) भूमिका में रखने की आवश्यकता है, ताकि वृद्धजन सम्मानजनक और खुशहाल जीवन जी सकें। यह शोध सामाजिक नीति निर्माण और भविष्य के प्राथमिक अध्ययनों के लिए आधार प्रदान करता है।

कीवर्ड्स

वृद्धाश्रम, बदलती पारिवारिक संरचना, संयुक्त परिवार, परमाणु परिवार, वृद्धजन देखभाल, शहरीकरण, पलायन, वृद्धावस्था आश्रितता, HelpAge India, MOSPI रिपोर्ट।

परिचय

भारतीय समाज में पारंपरिक रूप से संयुक्त परिवार प्रणाली प्रचलित रही है, जिसमें वृद्धजन परिवार के केंद्र में रहते थे और उन्हें सम्मान, देखभाल तथा भावनात्मक सुरक्षा मिलती थी। लेकिन औद्योगीकरण, शहरीकरण, युवाओं का शहरों की ओर पलायन और प्रजनन दर में कमी के कारण परिवार की संरचना बदल रही है। अब परमाणु परिवार (nuclear family) बढ़ रहे हैं, जिसमें केवल माता-पिता और बच्चे रहते हैं। इससे वृद्धजन अकेले पड़ रहे हैं या वृद्धाश्रमों में भेजे जा रहे हैं। जनगणना 2011 के अनुसार भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजन की संख्या लगभग 10.38 करोड़ है, जो कुल आबादी का 8.6% है। यह

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 4, Issue 2, December 2024 Impact Factor: 7.57

आंकड़ा 2050 तक 20% तक पहुंचने की संभावना है। MOSPI रिपोर्ट के अनुसार 65% वृद्धजन आर्थिक रूप से निर्भर हैं और मुख्य रूप से संतानों पर आश्रित हैं। HelpAge India के 2024 सर्वे में पाया गया कि एक-तिहाई वृद्धजन का पिछले वर्ष कोई आय नहीं थी और 29% ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ लेते हैं। परमाणु परिवारों में युवा पीढ़ी की व्यस्तता के कारण वृद्धजनों की देखभाल बोझ बन गई है। एक अध्ययन के अनुसार 22% वृद्धजन पारिवारिक विवादों के कारण वृद्धाश्रम में जाते हैं, जबकि 40% भावनात्मक कारणों से।6de378 वृद्धाश्रम अब केवल गरीबों के लिए नहीं, बल्कि मध्यम वर्ग के लिए भी विकल्प बन रहे हैं। यह परिवर्तन वृद्धजनों में अकेलेपन, मानसिक तनाव और स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा रहा है।

हालांकि, पिछले कुछ दशकों में भारत तेजी से बदल रहा है। औद्योगीकरण, वैश्वीकरण, शहरीकरण, युवाओं का बड़े शहरों की ओर पलायन, उच्च शिक्षा, महिलाओं की बढ़ती नौकरी भागीदारी, प्रजनन दर में कमी तथा व्यक्तिवादी जीवनशैली के कारण पारिवारिक संरचना में गहरा परिवर्तन आया है। संयुक्त परिवारों की जगह परमाणु परिवार (nuclear family) प्रमुख हो गए हैं, जहां केवल माता-पिता और उनके बच्चे रहते हैं। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 70% घरेलू इकाइयां अब परमाणु परिवार हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह प्रतिशत 70% से भी अधिक पहुंच गया है (NFHS और census आधारित अध्ययन, 2011-2021 ट्रेंड्स)। ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह बदलाव धीरे-धीरे हो रहा है। इस परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव वृद्धजनों पर पड़ रहा है। जनसंख्या प्रोजेक्शन रिपोर्ट (Technical Group on Population Projections, 2020) और हालिया MOSPI तथा PIB डेटा के अनुसार, भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजन (elderly) की संख्या 2011 में लगभग 10 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में लगभग 15-15.7 करोड़ हो गई है, जो कुल आबादी का करीब 10.5% है। 2036 तक यह संख्या 23 करोड़ (15% आबादी) और 2050 तक 34-

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, December 2024
Impact Factor: 7.57

35 करोड़ (लगभग 20% से अधिक) पहुंचने की संभावना है। यह तेजी से बढ़ती वृद्ध जनसंख्या (ageing population) दुनिया में सबसे बड़ी होगी।

- लेकिन बढ़ती संख्या के साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। HelpAge India की 2024 रिपोर्ट "Ageing in India: Exploring Preparedness & Response to Care Challenges" और 2025 इंटरजेनरेशनल बॉन्ड्स रिपोर्ट से पता चलता है कि:
- एक-तिहाई वृद्धजन (लगभग 33%) को पिछले एक वर्ष में कोई आय नहीं मिली, महिलाओं में यह प्रतिशत 38% तक है।
- अधिकांश वृद्धजन (65% से अधिक) आर्थिक रूप से संतानों पर निर्भर हैं।
- परिवार अभी भी मुख्य देखभालकर्ता है, लेकिन जागरूकता और संसाधनों की कमी के कारण देखभाल अपर्याप्त है।
- इंटरजेनरेशनल संबंधों में भावनात्मक दूरी बढ़ रही है; युवा व्यस्त जीवनशैली के कारण वृद्धजनों के साथ समय नहीं बिता पाते, जिससे अकेलापन, अवसाद और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं।
- वृद्धाश्रमों की मांग बढ़ रही है। सरकारी स्तर पर 2025 तक 696 सीनियर सिटीजन होम्स संचालित हैं (29 राज्यों में), जबकि निजी/संगठित सीनियर लिविंग यूनिट्स 21,000+ हैं, लेकिन यह मांग की तुलना में बहुत कम है। कुल मिलाकर भारत में लगभग 1,150+ वृद्धाश्रम/सीनियर लिविंग सुविधाएं हैं, जो क्षमता में सीमित हैं।

शोध पद्धति

- **यह शोध द्वितीयक डेटा विश्लेषण** (secondary data analysis) **पर आधारित है। कोई प्राथमिक सर्वेक्षण नहीं किया गया। डेटा स्रोत निम्न हैं**:
- **जनगणना** 2011 **और** MOSPI **की** "Situation Analysis of the Elderly in India" **रिपोर्ट** (2011 **एवं** 2016 **संस्करण**) – **इसमें वृद्धजन की पारिवारिक संरचना**, **एकाकी रहने वाले**, **पति/पत्नी के साथ रहने वाले और संतानों के साथ रहने वाले प्रतिशत दिए गए हैं।** NSSO 60**वें और** 71**वें राउंड के आंकड़ों का उपयोग।**
- HelpAge India **का राष्ट्रीय सर्वेक्षण** 2024 ("Ageing in India: Exploring Preparedness & Response to Care Challenges") – 10 **राज्यों के** 20 **शहरों में** 5169 **वृद्धजनों और** 1333 **देखभालकर्ताओं का सर्वेक्षण। इसमें आय**, **देखभाल चुनौतियां और परिवार पर निर्भरता के आंकड़े शामिल।**
- **अन्य शोध पत्र**: "**बदलती हुई पारिवारिक संरचना और बढ़ते वृद्धाश्रम**" (Home Science Journal, 2022) **तथा** ResearchGate **पर उपलब्ध अध्ययन जैसे** "Ageing and Changing Patterns in Familial Structure for Older Persons in India"**।**
- **सरकारी योजनाओं का विश्लेषण**: **इंटीग्रेटेड प्रोग्राम फॉर ओल्डर पर्सन्स** (IPOP), **माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण अधिनियम** 2007**।**
- **डेटा की तुलना की गई** – **संयुक्त परिवार** vs **परमाणु परिवार**, **ग्रामीण** vs **शहरी क्षेत्र**, **और समय के साथ परिवर्तन। मात्रात्मक आंकड़ों** (**प्रतिशत**, **अनुपात**) **का वर्णनात्मक विश्लेषण किया गया। कोई सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग नहीं**, **केवल ट्रेंड विश्लेषण।**

ISSN: 2581-9429
Impact Factor: 7.57

निष्कर्ष

बदलती पारिवारिक संरचना वृद्धाश्रमों को अनिवार्य बना रही है, लेकिन यह समाधान नहीं है। वृद्धजन परिवार में रहकर ही खुशहाल जीवन जी सकते हैं। शहरीकरण और पलायन को रोकना संभव नहीं, इसलिए परिवारों को जिम्मेदारी सिखानी होगी, सरकारी योजनाओं (IPOP, वृद्धावस्था पेंशन) को मजबूत करना होगा और वृद्धाश्रमों को केवल अंतिम विकल्प बनाना होगा। सुझाव:

युवा पीढ़ी को वृद्धजनों के साथ समय बिताने के लिए प्रोत्साहित करें।

हर जिले में कम से कम एक वृद्धाश्रम के साथ डे-केयर सेंटर स्थापित करें।

स्कूल-कॉलेज में वृद्धजन सम्मान पर जागरूकता कार्यक्रम चलाएं।

महिलाओं की देखभाल पर विशेष ध्यान (क्योंकि विधवाएं अधिक प्रभावित)।

यदि परिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित किया गया तो वृद्धाश्रमों की जरूरत कम हो सकती है। यह शोध भविष्य के प्राथमिक सर्वेक्षणों के लिए आधार प्रदान करता है।NSSO/MOSPI डेटा के अनुसार सभी भारत स्तर पर 5.2% वृद्धजन अकेले रहते हैं, 12% केवल पति/पत्नी के साथ, 32.1% संतानों के साथ। तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में अकेले रहने वाले अधिक हैं।

HelpAge 2024: परिवार अभी भी मुख्य देखभालकर्ता है, लेकिन जागरूकता कम (वृद्धाश्रम जैसी सेवाओं की केवल 10% देखभालकर्ताओं को जानकारी)।

परमाणु परिवारों में 18.33% मामलों में वृद्धजनों को उचित देखभाल नहीं मिलती।

संदर्भ

[1]. MOSPI. (2011). Situation Analysis of the Elderly in India. Ministry of Statistics and Programme Implementation, Government of India. https://www.mospi.gov.in/sites/default/files/publication_reports/elderly_in_india.pdf

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, December 2024
Impact Factor: 7.57

[2]. MOSPI. (2016). **भारत में वृद्धजनों की स्थिति विश्लेषण (हिंदी संस्करण)**. https://mospi.gov.in/sites/default/files/publication_reports/Elderly_in_India-2016__Hindi_version_final-1.pdf

[3]. HelpAge India. (2024). Ageing in India: Exploring Preparedness & Response to Care Challenges. https://www.helpageindia.org/news/weaad-2024-press-release/

[4]. “**बदलती हुई पारिवारिक संरचना और बढ़ते वृद्धाश्रम**”. Home Science Journal, 2022. https://www.homesciencejournal.com/archives/2022/vol8issue3/PartD/9-1-78-151.pdf

[5]. Lieber, J. (2020). Changing family structures and self-rated health of India's older population. PMC.

[6]. Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act, 2007. Government of India.

[7]. National Sample Survey Organisation (NSSO) 60th & 71st Round Reports.